भारतीय गुणवत्ता परिषद्

दूसरा तल, टावर- जे, वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, नौरोजी नगर, नई दिल्ली-110029

एनएबीएच- क्यूसीआई में सीईओ के पद के लिए भर्ती

पद का नाम	सीईओ (1 पद)
पद का स्वरूप	कार्यकाल आधारित
प्रारंभिक सीटीसी (प्रतिवर्ष)	62.99 लाख रुपए से 1.17 करोड़ रुपए तक
नियुक्ति की अवधि	3 वर्ष का कार्यकाल (कार्य-निष्पादन के आधार पर आगे नवीकृत किया जा सकता है)
आयु	57 वर्ष या इससे कम ताकि उम्मीदवार का चयन हो जाने की स्थिति में वह कम से कम 1 पूरा कार्यकाल पूर्ण कर सके। (अधिवर्षिता की आयु 60 वर्ष)
न्यूनतम योग्यता	स्नातक डिग्री: किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से एमबीबीएस या बीडीएस या बीएएमएस या बीयूएमएस या बीएचएमएस अथवा किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से अस्पताल प्रबंधन या स्वास्थ्यचर्या या संबंधित क्षेत्र में स्नातकोत्तर डिग्री या 2 वर्षीय पूर्णकालिक पीजी डिप्लोमा
वांछनीय योग्यता	स्नातकोत्तर डिग्री: मान्यता प्राप्त संस्थान/विश्वविद्यालय से एमडी या एमएस या एमडीएस अथवा मान्यता प्राप्त संस्थान/विश्वविद्यालय से अस्पताल प्रशासन/स्वास्थ्यचर्या में 2 वर्षीय पूर्णकालिक पीजी डिप्लोमा के साथ क्लीनिकल साइंस में स्नातकोत्तर अथवा मान्यता प्राप्त संस्थान/विश्वविद्यालय से स्वास्थ्यचर्या के संबंधित क्षेत्र में पीएच.डी. अथवा डीएनबी
अनिवार्य अनुभव	1. **न्यूनतम अनुभव:** 15 वर्ष (अनिवार्य योग्यता प्राप्त करने के बाद) जिसमें से 10 वर्ष का अनुभव क्लीनिकल देखभाल और अस्पताल प्रबंधन में होना चाहिए, साथ ही अस्पताल व्यवस्था में एनएबीएच प्रत्यायन मानकों या आईएसओ 9000 की अपेक्षाओं का अनुपालन करते हुए गुणवत्ता प्रणाली के कार्यान्वयन का दृढ़ अनुभव होना चाहिए। 2. **नेतृत्व अनुभव:** • किसी प्रतिष्ठित संगठन में प्रभागीय प्रमुख/संस्था प्रमुख के रूप में न्यूनतम 5 वर्ष, न्यूनतम 40 लाख रुपए प्रतिवर्ष का सीटीसी आहरित कर रहा हो **अथवा** • ₹ 1,44,200-2,18,200 के वेतन लेवल 14 में 3 वर्ष के अनुभव के साथ न्यूनतम ₹2.62 लाख प्रतिमाह और ₹31 लाख (लगभग) प्रतिवर्ष (7वें वेतन आयोग के अनुसार) का कुल वेतन आहरित कर रहा हो।

आकांक्षा

राष्ट्रीय संस्कृतिक परिवर्तन को उत्प्रेरित करना जहां स्वास्थ्यचर्या प्रदाता गुणवत्ता को विकास, विश्वास और रोगी के लिए बेहतर परिणाम के साधन के रूप में देखें न कि अनुपालन के बोझ के रूप में। एनएबीएच स्वास्थ्यचर्या व्यवसाय में सुगमता लाने के प्रति अडिग रहेगा, जिससे गुणवत्तापूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र में प्रवेश सरल, पूर्वानुमानित और अस्पताल नेतृत्व के लिए विश्वासवर्धक हो।

हमारा उद्देश्य देश में सुरक्षित, नैतिक और निरंतर उच्च गुणवत्तापूर्ण देखभाल का सर्वाधिक विश्वसनीय प्रतीक बनना है, जो नागरिकों, भुगतानकर्ताओं और सरकारों के लिए समान रूप से स्वीकार्य हो। भारत की स्वास्थ्य प्रणाली में विश्वसनीयता और भागीदारी को मजबूत करके, हम भौगोलिक क्षेत्रों और स्वामित्व मॉडलों में देखभाल के राष्ट्रीय आधारभूत स्तर को ऊपर उठाने में मदद करेंगे।

हमारा लक्ष्य एक स्वस्थ, अधिकाधिक उत्थानशील भारत है - विश्वसनीय, सुलभ और विश्व स्तरीय स्वास्थ्यचर्या के माध्यम से 2047 तक विकसित भारत की दिशा में आगे बढ़ना।	
अपेक्षित कार्य-निर्वाह क्षमताएं	• राष्ट्रीय विजन: विकसित भारत 2047 फ्रेमवर्क के अंतर्गत दिए गए राष्ट्रीय रणनीतिक उद्देश्यों को एनएबीएच के लिए एक स्पष्ट, कार्रवाई-योग्य विज़न और कार्यान्वयन योजना में परिवर्तित करने की क्षमता का प्रदर्शन किया हो। निवारक स्वास्थ्य और सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (आयुष्मान भारत) की दिशा में हो रहे बदलाव और भारत की स्वास्थ्यचर्या व्यवस्था में परिवर्तन लाने में एनएबीएच की महत्वपूर्ण भूमिका की समझ हो। • नेतृत्व कौशल: भारत भर में अत्यधिक विशिष्ट और नैतिकतापूर्ण कार्यबल (कर्मचारी और बाहरी आकलनकर्ता दोनों) की भर्ती करने, उनका मार्गदर्शन करने और उन्हें बनाए रखने के लिए असाधारण प्रबंधन और नेतृत्व क्षमता होनी चाहिए। भावी चुनौतियों से निपटने के लिए एनएबीएच को तैयार करने हेतु संगठनात्मक विकास करने और कार्यबल योजना बनाने तथा विकसित भारत की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए प्रचालन बढ़ाने की दूरदृष्टि हो। • भागीदारी: सरकारी संगठनों (जैसे स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय), नीति आयोग, स्वास्थ्य बीमा कंपनियों, अन्य विनियामकों (जैसे आईआरडीएआई, सीडीएससीओ), उद्योग संघों (जैसे सीआईआई, फिक्की) और अंतरराष्ट्रीय प्रत्यायन निकायों (जैसे आईएसक्यूएए) के साथ उच्च-स्तरीय रणनीतिक भागीदारी बनाने और बनाए रखने तथा प्रभावी संबंध पुष्ट करने की सिद्ध क्षमता। • अंतरराष्ट्रीय अनुभव: स्वास्थ्यचर्या गुणवत्ता के क्षेत्र में एनएबीएच की प्रतिष्ठा को एक वैश्विक अगुआ संगठन के रूप में स्थापित करने की क्षमता। अंतरराष्ट्रीय संगठनों विशेषत: स्वास्थ्यचर्या संगठनों के साथ मिलकर काम करने का अनुभव होना चाहिए। • संगठनात्मक परिवर्तन: यह सुनिश्चित करने के लिए कि एनएबीएच प्रतिक्रियाशील, दक्ष और तकनीकी रूप से उन्नत बना रहे, अनुपालन-आधारित आकलनों से निरंतर गुणवत्ता सुधार की संस्कृति की ओर आगे बढ़े, बड़े पैमाने पर संगठनात्मक परिवर्तन का नेतृत्व करने का अनुभव। • गुणवत्ता पारिस्थितिकी तंत्र का अनुभव: गुणवत्ता प्रबंधन प्रणालियों, प्रत्यायन प्रक्रिया, विभिन्न आईएसओ मानकों और उनके कार्यान्वयन एवं आकलन पद्धतियों का गहन ज्ञान। प्रत्यायन प्रक्रिया में नैतिकतापूर्ण सत्यनिष्ठा के उच्चतम मानक बनाए रखना अत्यावश्यक है। • डिजिटल विशेषज्ञता: समूचे भारत में स्वास्थ्यचर्या क्षेत्र में अग्रणी डिजिटल पहलों की गहरी समझ और अनुभव। • अनुसंधान: अनुसंधान प्रेरित करने और सरकार एवं विनियामक निकायों को इनपुट के रूप में नीति दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए एनएबीएच की क्षमता का लाभ उठाने और अस्पतालों के साथ सहभागिता करने की योग्यता। गुणवत्ता का आर्थिक महत्व संप्रेषित करने की बौद्धिक क्षमता हो। • प्रचालन: गुणवत्ता पहलों को अंतिम छोर (टीयर 2/3 शहरों, छोटे और मध्यम अस्पतालों, और आयुष केन्द्रों, आरोग्य केन्द्रों आदि) तक पहुँचाने की रणनीतिक क्षमता। इसके लिए नवोन्मेषी, स्तर-वार और किफायती प्रमाणन/प्रत्यायन कार्यक्रमों की अभिकल्पना आवश्यक है। • एनएबीएच की विस्तार क्षमता: प्रशिक्षण, प्रमाणन, अंतरराष्ट्रीय परामर्श, और दीर्घकालिक विकास एवं प्रभाव के लिए पूंजी के रणनीतिक आबंटन के जरिए एनएबीएच का प्रभाव बढ़ाने के अवसरों की पहचान करने और उन्हें भुनाने का मजबूत वाणिज्यिक कौशल। • वित्तीय स्थायित्व: एक स्वायत्त विनियामक/गैर-लाभकारी संगठन की वित्तीय स्थिति के प्रबंधन और उसकी आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने में सिद्ध क्षमता का प्रदर्शन। • मानव संसाधन और संस्कृति: अति विशेषीकृत आकलनकर्ताओं और तकनीकी कर्मचारियों की भर्ती करने, उनका मार्गदर्शन करने और उन्हें बनाए रखने की सिद्ध क्षमता। रोगी सुरक्षा और निष्पक्षता के लिए प्रतिबद्ध उच्च प्रदर्शन, नैतिक

	संस्कृति को बढ़ावा देने की क्षमता। • <u>व्यक्तिगत प्रोफ़ाइल:</u> भारत में स्वास्थ्यचर्या की गुणवत्ता और रोगी सुरक्षा के संदर्भ में सार्वजनिक दृष्टिकोण को आकार देने के उद्देश्य से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर एनएबीएच के मुख्य प्रवक्ता के रूप में कार्य करते हुए उत्कृष्ट जन संवाद, संचार और प्रतिनिधित्व कौशल।
भारतीय गुणवत्ता परिषद् और एनएबीएच के बारे में	मंत्रिमंडल के निर्णय के माध्यम से एक राष्ट्रीय प्रत्यायन और गुणवत्ता संवर्धन निकाय के रूप में स्थापित, भारतीय गुणवत्ता परिषद् (क्यूसीआई) एक स्वायत्त निकाय है जो विनिर्माण, व्यापार और सेवाओं के सभी क्षेत्रों में गुणवत्ता मानकों के प्रचार, अंगीकरण और अनुपालन में राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय का उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी), क्यूसीआई के लिए नोडल प्वाइंट है। भारतीय गुणवत्ता परिषद् के अंतर्गत भारत की राष्ट्रीय प्रत्यायन प्रणाली को 185 देशों में ग्लोबल क्वालिटी इंफ्रास्ट्रक्चर इंडेक्स (जीक्यूआईआई) में 5वां स्थान प्राप्त है। राष्ट्रीय अस्पताल और स्वास्थ्यचर्या- प्रदाता प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएच) स्वास्थ्यचर्या के क्षेत्र में प्रत्यायन और प्रमाणन कार्यक्रमों की स्थापना और प्रचालन के लिए भारत का शीर्ष निकाय है। क्यूसीआई का एक घटक बोर्ड, एनएबीएच पूरे देश में स्वास्थ्यचर्या सेवाओं की गुणवत्ता और सुरक्षा बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। वर्ष 2005 में अपनी स्थापना के बाद से, एनएबीएच ने भारत के स्वास्थ्यचर्या परिदृश्य को आकार देने में एक परिवर्तनकारी भूमिका निभाई है। अस्पतालों, क्लीनिकों, प्रयोगशालाओं, आयुष संस्थाओं, आपातकालीन विभागों और डिजिटल स्वास्थ्य प्लेटफार्मों सहित 25,000 से अधिक प्रत्यायित या प्रमाणित स्वास्थ्यचर्या सुविधाओं के साथ, एनएबीएच ने यह मानक स्थापित किया है कि सुरक्षित, नैतिक और रोगी-केंद्रित देखभाल कैसी होनी चाहिए। एनएबीएच, गुणवत्ता की एक सशक्त संस्कृति के निर्माण के लिए सभी क्षेत्रों में काम करता है फिर चाहे वह सार्वजनिक और निजी क्षेत्र हो अथवा शहरी और ग्रामीण। एनएबीएच के कार्यक्रमों को आईएसक्वा (इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर क्वालिटी इन हेल्थ केयर) द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मानकीकृत और मान्यता प्राप्त हैं, जिससे भारतीय स्वास्थ्यचर्या को वैश्विक गुणवत्ता मानचित्र पर पहचान मिली है। 30 से अधिक प्रत्यायन, प्रमाणन और पैनलबद्धता कार्यक्रमों के बढ़ते नेटवर्क के साथ, एनएबीएच यह सुनिश्चित करता है कि स्वास्थ्यचर्या प्रदाताओं - चाहे उनका आकार या अवस्थिति जो भी हो - के पास अपनी प्रणालियों को बेहतर बनाने, जनता का विश्वास हासिल करने और रोगियों के लिए बेहतर परिणाम प्रदान करने का स्पष्ट मार्ग हो।